www.sgbauonline.com

AU–2102

M.A. (Part—I) Examination

HINDI (Old)

Paper—I

(Prachin Ewam Madhyakalin Kavya)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 100

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं तीन की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिये : 30

(अ) पथ-गति पेखल मो राधा।

तखनुक भाव परान पए पीड़लि

रहल कुमुदनिधि साधा।

ननुआ नयन नलिनि जनि अनुपम

बक निहारइ थोरा।

जनि सृंखल ने खगबर बाँधल

दीठि नुकाएल मोरा।

(आ) गूँगा हुवा बावला, बहरा हुआ कान।

पाऊँ थैं पंगुल भया सतगुर मार्या बाण।

कबीर गुर गरवा मिल्या, रलि गया आटैं लूंण।

जाति पाँति कुल सब मिटे, नांव धरोगे कौंण।।

(इ) रोइ गँवाए बारह मासा। सहस सहस दुख एक एक साँसा।

तिल तिल बरख बरख पर जाई। पहर पहर जुग जुग न सेराई।।

सो नहिं आवै रूप मुरारी। जासौं पाव सोहाग सुनारी।।

साँझ भए झुरि-झुरि पथ हेरा। कौनि सो घरी करै पिउ फेरा।।

(ई) बिन गोपाल बैरनि भई कुंजै।

तब ये लता लगति अति सीतल, अब भई बिषम ज्वाल की पुंजैं।।

बृथा बहति जमुना, खग बोलत, बृथा कमल फूलैं, अलि गुंजै।।

पवन पानि घनसार संजीवनि दधिसुत किरन भानु भई भुंजै।।

ए, ऊधो, कहियो माधव सों बिरह कदन करि मारत लुंजै।।

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(उ) चलत मोहि चूड़ामनि दीन्ही।
रघुपति हृदय लाइ सोइ लीन्ही।।
नाथ जुगल लोचन भरि बारी।
बचन कहे कछु जनक कुमारी।।

(ऊ) खरी पातरी कान की, कौन बहाऊ बानि।
आक-कली न रली करै अली, अली, जिय जानि।।
लग्यो सुमनु ह्वै है सफलु-रोसु निवारि।
बारी, बारी आपनी सींचि सुहृदता-बारि।।

2. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिये : 30

(क) विद्यापति के काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।

(ख) कबीर के निर्गुण ब्रह्म विषयक विचारों की समीक्षा कीजिये।

(ग) 'भ्रमरगीत के आधार पर 'गोपियों की विरह व्यथा' का मूल्यांकन कीजिये।

(घ) 'बिहारीलाल के काव्य में शृंगार की प्रधानता है।', इस कथन की साधार पुष्टि कीजिये।

3. निम्नलिखित लघूत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं पांच के उत्तर लिखिये : 20

(i) अमीर खुसरो की रुबाइयों का परिचय दीजिये।

(ii) मीराबाई की मधुरा भक्ति स्पष्ट कीजिये।

(iii) रैदास के विचारों को समझाइये।

(iv) रहीम के नीति विषयक दोहों की विशेषताएं लिखिये।

(v) रसखान के काव्य में प्रेमतत्व को रेखांकित कीजिये।

(vi) केशव के काव्य की विशेषताओं का उल्लेख कीजिये।

(vii) नामदेव की भक्ति-भावना को स्पष्ट कीजिये।

(viii) भूषण की काव्य भाषा पर प्रकाश डालिये।

(ix) देव के शृंगार विषयक पदों की विशेषताएं लिखिये।

(x) गुरु गोविंद सिंह के काव्य का कथ्य स्पष्ट कीजिये।

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

4. निम्नलिखित अतिलघूत्तरी/वस्तुनिष्ठ ५२नों के उत्तर लिखिये : 20

(1) 'कीर्तिलता' किसकी रचना है ?

(2) कबीर का देहांत कहां हुआ ?

(3) 'नहिं पराग नहिं मधुर मधु' पंक्ति किसकी है ?

(4) कवितावली किसकी रचना है ?

(5) 'साहित्य लहरी' किसकी रचना है ?

(6) 'आखिरी कलाम' के रचयिता कौन हैं ?

(7) 'शिवा बावनी' किसका ग्रंथ है ?

(8) गुरु गोविंदसिंह की मृत्यु कहां हुई ?

(9) देव किस काल के कवि हैं ?

(10) प्रेमचंद्रिका के रचनाकार का नाम लिखिये

(11) इसमें से कौनसी विद्यापति की रचना है ?

(क) कीर्तिपताका (ख) पद्मावत

(ग) भावविलास (घ) कवितावली

(12) बीजक का संबंध _____ से है।

(क) कबीर (ख) रहीम

(ग) मीरा (घ) केशव

(13) गुरु ग्रंथ साहब में _____ के पद मिलते हैं।

(क) सूरदास (ख) नामदेव

(ग) कबीर (घ) रैदास

(14) _____ कृष्णभक्ति के कवि हैं।

(क) भूषण (ख) रसखान

(ग) रैदास (घ) आलम

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(15) ______ प्रेमाश्रयी धारा के कवि हैं।

(क) सूरदास (ख) कबीर

(ग) देव (घ) जायसी

(16) बसो मेरे नैनन में नंदलाल यह पंक्ति ______ की है।

(क) सूरदास (ख) बिहारी

(ग) मीराबाई (घ) देव

(17) कवितावली ______ की रचना है।

(क) सूरदास (ख) तुलसीदास

(ग) जायसी (घ) कबीरदास

(18) रामचंद्रिका के रचयिता ______ हैं।

(क) केशव (ख) घनानंद

(ग) मतिराम (घ) जायसी

(19) नामदेव ______ संप्रदाय से संबंधित हैं

(क) अद्वैत (ख) द्वैत

(ग) शैव (घ) वारकरी

(20) गुरु गोविंद सिंह सिखों के ______ गुरु थे।

(क) आठवें (ख) पाँचवें

(ग) दसवें (घ) सातवें

www.sgbauonline.com